औषधीय पौधा गुग्गुल वृक्षा रोपण कार्यक्रम।

औषधीय पौधा गुग्गुल व जैवविविधता संरक्षण और आजीविका परियोजना के तहत् गुग्गुल वृक्षा रोपण कार्य दिनांक 08.08.2019 को ग्राम बेरखेड़ा जनपद सबलगढ़ जिला मुरैना में पूर्व से तैयार किये गये 700 गड्डों में दो दिन में 700 औषधीय पौधा गुग्गुल का वृक्षा रोपण किया गया। यह कार्य औषधीय पौधा गुग्गुल व जैवविविधता संरक्षण और आजीविका परियोजना के तहत् सुजाग्रति समाज सेवी संस्था के द्वारा 700 पौधे बेरखेड़ा में रोपित किये गये तथा दिनांक 09.08.2019, 300 पौधे औषधीय पौधा गुग्गुल व जैवविविधता संरक्षण और आजीविका परियोजना के तहत् ही ग्राम जाबरौल में लगाये गये। दोनों ही जगह यह पौधे सुजाग्रति समाज सेवी संस्था की निगरानी व तकनीकि सहायता के अन्तर्गत लगाये गये।

औषधीय पौधा गुग्गुल – जलवायु परिवर्तन के चलते अन्न दाताओं को वदलनी होगी सोच। सबसे मंहगी औषधी एंव ग्लोवल वार्मिंग में भी आसानी से रहने वाली प्रजाति गुग्गुल– क्योंकि इसकों बहुत कम पानी की आवश्कता होती है सिर्फ एक साल तक तथा इसे कोई पशु भी नही खाता है। यह बीहड़ कटाव को रोकती है ये प्रजाती एक अच्छी सॉइल वान्डर भी है और हमारे जिले में 35 हजार हेक्टयर जमीन बीहड़ में परिवर्तित होने के कारण बेकार पढ़ी हुई है उसमें इस प्रजाती को लगाकर आजीविका का श्रोत बनाया जा सकता है। इस उददेश्य को देखते हुए माननीय कलेटर महोदय प्रियंका दास द्वारा मनरेगा के तहत् गुग्गुल का वृक्षा रोपण भी सुजाग्रति संस्था की देख–रेख में कराया जायेगा।

ग्राम बेरखेड़ा में गुग्गुल वृक्षा रोपण करते हुए ग्राम सरपंच श्री अनिल यादव व ग्राम वासी, श्री जाकिर हुसैन के मार्गदर्शन में।

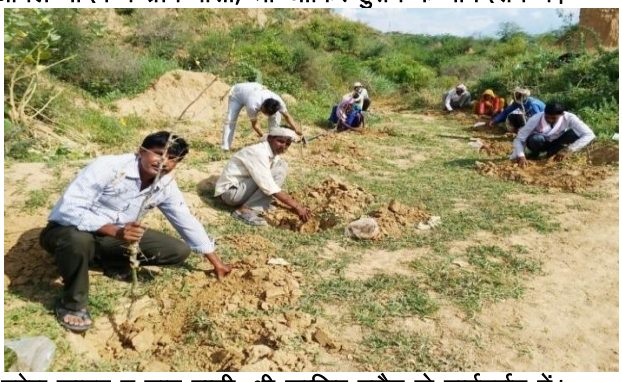

ग्राम जाबरौल में गुग्गुल वृक्षा रोपण करते हुए ग्राम सरपंच श्री महेश जाटव व ग्राम वासी, श्री जाकिर हुसैन के मार्गदर्शन में।

दैनिक भास्कर

ग्वालियर, गुरुवार 12 सितंबर, 2019 | 14

पौधरोपण... पौधरोपण से कम किया जा सकता है ग्लोबल वार्मिंग का खतरा

मुरैना | पौध रोपण के जरिए न केवल हम अपने परिवेश का वातावरण शुद्ध रख सकते हैं, बल्कि इस अभियान के जरिए ग्लोबल वार्मिंग के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसलिए प्रत्येक मनुष्य को पौध रोपण जैसे पुनीत कार्य में योगदान करना चाहिए। यह बात बुधवार को सूद्पुर गांव में आयोजित पौध रोपण कार्यक्रम में समाजसेवी जाकिर हुसैन ग्रामीणों से कह रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन सुजाग्रति संस्था द्वारा किया गया। इस दौरान जारह गांव में गुग्गल प्रजाति के 200 से अधिक पौधे रोपे गए। पौध रोपण के उपरांत ग्रामीणों ने सभी पौधों के रख-रखाव करने का संकल्प लिया।

गरीबों की आजीविका चलाने के लिए लगाए गुग्गुल के एक हजार पौधे।

दिनांक 23 अगस्त 2019 को पटवारी प्रशिक्षण केन्द्र व विद्यालय प्रांगण के पीछे 6 हेक्टयर जमीन है उसमें राष्ट्रीय औषध पादप बोर्ड दिल्ली के सहयोग से सुजाग्रति संस्था द्वारा गुग्गुल के एक हजार पौधे रोपे गए। व्यापक पैमाने पर पौधारोपण का यह आयोजन सुजाग्रति संस्था द्वारा स्कूली छात्र एवं ग्रामिणों के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर वन विभाग रेंजर श्री एम.के. कुलश्रेष्ठ एंव बी.आर.सी. श्री एस.के. सिकरवार प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

पौधा रोपण के उपरांत एक संगोष्ठी का आयोजन किया। जिसमें स्कूली छात्र–छात्राऐं एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए समाज सेवी श्री जाकिर हुसैन ने कहा कि गुग्गुल की फसल को जानवर नहीं खाते हैं तथा इसे विकसित होने के लिए पानी की आवश्यकता नही होती। यह विलुप्त होती जा रही हैं। जबकि यह प्रजाति गरीब लोगों की आजीविका का प्रमुख साधन बन सकती है। गुग्गुल का गोंद 1200 रूपये प्रति किलो बिकता है। तथा इसे बाजार में तलाशने में ज्यादा परेशानी नही होती। जाकिर हुसैन ने बताया गया कि मुरैना जिले में 35000 हेक्टेयर जमीन बीहड़ में परिवर्तित हो चुकी है। अगर इस जमीन में पर्याप्त मात्रा में औषधि पौधे हैं, गुग्गुल सताबर जैसे पौधे रोपे जाएं तो न केवल गरीबों आजीविका चलेगी, बल्कि इससे बीहड़ कटाव भी रूकने के साथ पर्यावरणीय लाभ होगा।

दैनिक भास्कर

ग्वालियर, शुक्रवार 23 अगस्त, 2019 | 14

गरीबों की आजीविका चलाने के लिए लगाए गुग्गल के एक हजार पौधे

नेशनल हाईवे पर पटवारी प्रशिक्षण केंद्र के पीछे गुग्गल के पौध रोपते छात्र।

5000 पौधे रोपने का लक्ष्य, स्कूली छात्र-छात्राएं बने भागीदार

भास्कर संवाददाता | मुरैना

नेशनल हाईवे पर पटवारी प्रशिक्षण केंद्र के पीछे स्थित सरकारी 6 हेक्टेयर जमीन पर गुरुवार को 1000 पौधे रोपे गए। व्यापक पैमाने पर पौधरोपण का यह आयोजन सुजागृति संस्था द्वारा स्कूली छात्र एवं ग्रामीणों के सहयोग किया गया। इस अवसर पर वन विभाग के रेंजर एमके कुलश्रेष्ठ एवं बीआरसी एसके सिकरवार प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

पौधरोपण के उपरांत एक संगोष्ठी का आयोजन किया। जिसमें स्कूली छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए समाजसेवी जाकिर हुसैन ने कहा कि गुग्गल की फसल को जानवर नहीं खाते हैं तथा इसे विकसित होने के लिए पानी की आवश्यकता नहीं होती। यह विलुप्त होती जा रही है। जबकि यह प्रजाति गरीब लोगों की आजीविका का प्रमुख साधन बन सकती है। गुग्गल का गोंद 1200 रुपए किलो बिकता है तथा इस बाजार में तलाशने में ज्यादा परेशानी नहीं होती। जाकिर हुसैन ने बताया गया कि मुरैना जिले में 35000 हेक्टेयर जमीन बीहड़ में परिवर्तित हो चुकी है।

अगर इस जमीन में पर्याप्त मात्रा में औषधि पौधे, गुग्गल, सतावर जैसे पौधे रोपे जाएं तो न केवल गरीबों की आजीविका चलेगी, बल्कि इससे बीहड़ कटाव भी रुकने के साथ पर्यावरणीय लाभ होगा।

मुरैना पत्रिका

पत्रिका . ग्वालियर, शुक्रवार, 23 अगस्त, 2019

छह हेक्टेयर में रोपे जा रहे पांच हजार गुग्गल के पौधे

गुग्गल पौधरोपण करते ग्रामीण

मुरैना. पटवारी प्रशिक्षण केंद्र ब विद्यालय प्रांगण के पीछे जो 6 हेक्टेयर जमीन है उसमें सुजागृति संस्था के द्वारा गुग्गल के पांच हजार पौधे रोपे जाएंगे। जिसका शुभारंभ किया जा चुका है।

संस्था के अध्यक्ष जाकिर हुसैन ने बताया कि पौधरोपण के लिए गुग्गल का चयन इसलिए किया गया क्योंकि इसे पानी की आवश्यकता नहीं होती। साथ ही साथ इसे पशु नहीं खाते। यह प्रजाति विलुप्त होती जा रही है तथा इससे गरीबों की आजीविका चलती है। इसका गोंद 12 सौ रुपए किलो बिकता है। इस 6 हेक्टेयर में 5000 पौधे गुग्गल का रोपण किया जाना है उसी के तहत पहले 500 पौधों का रोपण किया जा चुका है और गुरुवार को 1000 पौधों का रोपण स्कूल टीचर, स्कूली बच्चे, पिपरई गांव के ग्रामवासी, वन विभाग के कर्मचारी,

पौधरोपण करते रेंजर व पदाधिकारी

रेंजर एमके कुलश्रेष्ठ तथा बीआरसी एस के सिकरवार द्वारा पौधरोपण किया गया। पौधरोपण में तकनीकी सहयोग रेंजर कुलश्रेष्ठ द्वारा किया गया। सुजागृति के अध्यक्ष हुसैन द्वारा बताया गया कि मुरैना जिले में 35000 हेक्टेयर जमीन बीहड़ में परिवर्तित हो चुकी है। जमीन पर्याप्त मात्रा में है उसमें औषधि पौधे गुग्गल, सतावर और अन्य औशधीय पौधे लगा दिए जाएं तो गरीबों की आजीविका का साधन बनेंगे, साथ ही बीहड़ नहीं कटेगा व पर्यावरणीय लाभ होगा।

न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में किया गया औषधीय पौधा गुग्गुल का रोपण।

औषधीय पौधा गुग्गुल व जैवविविधता संरक्षण और आजीविका परियोजना के तहत् गुग्गुल वृक्षा रोपण कार्य दिनांक 28 अगस्त 2019 को सुजाग्रति संस्था द्वारा बुधवार को न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में न्यू कलेक्ट्रेट के पीछे वाले पार्क में किया गया। जिसमें 200 पौधे रोपे गए।

इस कार्यक्रम में बोर्ड के पार्षद श्री केशव सिंह व नागरिक के0पी0 सिंह, श्री राजेन्द्र सिंह तोमर, श्री देवेन्द्र व मोहल्ला के व्यक्तियों ने भाग लिया। साथ ही इस कार्यक्रम में वनविभाग से रेंजर श्री एम0के0 कुलश्रेष्ठ ने भागीदारी की।

पत्रिका . ग्वालियर, गुरुवार, 29 अगस्त, 2019
patrika.com

न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में किया पौधारोपण

पौधारोपण करते लोग।

मुरैना. सुजागृति संस्था द्वारा बुधवार को न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में न्यू कलेक्ट्रेट के पीछे वाले पार्क में वृक्षा रोपण किया गया। जिसमें 120 पौधे रोपे गए।

इस कार्यक्रम में वार्ड के पार्षद केशव सिंह व नागरिक के पी सिंह, राजेंद्र सिंह तोमर, देवेंद्र व मोहल्ला के व्यक्तियों ने भाग लिया। जिसमें विभिन्न प्रजाति के पौधे जैसे गूगल, यूकेलिप्टस, गुलमोहर, आमला, बेलपत्र और नींबू आदि का रोपण किया। इस कार्यक्रम में वन विभाग से रेंजर एमके कुलश्रेष्ठ ने भागीदारी की। उनके तकनीकी निर्देशन में किया। इस कार्यक्रम में पौधे रेंजर कुलश्रेष्ठ के द्वारा प्रदान किए गए संस्था से जाकिर हुसैन ने भागीदारी की।

ग्वालियर, गुरुवार 29 अगस्त, 2019 | 14
दैनिक भास्कर

यदि पेड़ वाई-फाई सिग्नल देते तो हम न जाने कितने पेड़ लगा लेते: तोमर

मुरैना | यदि पेड़ वाई-फाई सिग्नल देते तो हम न जाने कितने पेड़ लगाते। कितना दुःखद है कि हम औद्योगिकी के इतने आदी हो गए कि पर्यावरण पर होने वाले हानिकारक प्रभावों की अनदेखी करते हैं। यदि हम वास्तव में जीवित रहना चाहते हैं और अच्छा जीवन यापन करना चाहते हैं तो अधिक से अधिक पेड़ लगाए जाने चाहिए। यह बात बुधवार को न्यू कलेक्टोरेट के पीछे आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में नगर निगम के उपसभा पति केशव सिंह तोमर कह रहे थे। पौध रोपण का यह आयोजन सुजागृति संस्था द्वारा किया गया। जिसके तहत पार्क में 200 पौधे रोपे गए। इस कार्यक्रम की खास बात यह रही कि पौध रोपण में सभी वर्ग के लोगों ने भाग लिया। समाजसेवी जाकिर हुसैन ने कहा कि प्रकृति हमें फल फूल देती है। इसे पेड़-पौधों को संभाल कर रखना व पालन करना मनुष्य का दायित्व है। इस दौरान केपी सिंह, राजेंद्र सिंह तोमर, वन विभाग के रेंजर एमके कुलश्रेष्ठ आदि प्रमुख रूप से शामिल थे।

पार्क में पौधरोपण करते लोग।

कमिश्नर मैडम चंबल संभाग मुरैना को गुग्गुल पौधा देते हुए संस्था अध्यक्ष।

बीहड़ कटाव को देखने आए नोएडा, अमेरिका और आंध्रप्रदेश के कंसलटेंट।

जेफ, यू.एन.डी.पी. एस.जी.पी. इंडिया के तहत् यू.एन.डी.पी. से चार कंसलटेंट मुरैना आए उनके द्वारा यहॉ बीहड़ कटाव पर सुजाग्रति समाव सेवी संस्था मुरैना द्वारा किए गए कार्यों को देखा साथ ही साथ उनके द्वारा औषधीय पौधा गुग्गुल का भी अवलोकन किया गया एवं औषधीय पौधों से किस तरीके से ग्रामीणों को आजीविका प्रदान की का अध्ययन किया। उनके द्वारा यह चिंता जताई गई कि धीरे–धीरे औषधीय पौधे लुप्त होने की कगार पर पहुंच गए हैं वन विभाग द्वारा एवं संस्थाओं के द्वारा संरक्षण एवं संबर्धन करने की आवश्यकता है। वन और पर्यावरण मंत्रालय भारत सरकार और यू.एन.डी.पी. मिलकर एस.जी.पी. पुनः शुरू कर रही है इसी को देखने और समझने के लिए चार कंसलटेंट श्री दिनेश अग्रवाल नोएडा से श्री एम.के. सेठी आंध्र प्रदेश से और श्री जैम्स सर अमेरिका से मैंडम ताबेंदा और मैंडम सबिता मुरैना आये।

बीहड़ कटाव को देखने आए नोएडा, अमेरिका और आंध्रप्रदेश के कंसलटेंट

मुरैना. वन विभाग और पर्यावरण मंत्रालय भारत सरकार तथा यूएनडीपी मिलकर स्माल ग्रांड प्रोग्राम पुनः शुरू कर रही है। इसी को देखने और समझने के लिए चार कंसलटेंट दिनेश अग्रवाल नोएडा, एमके सेठी आंध्र प्रदेश, सर जैमस अमेरिका से ताबेंदा यूएनडीपी और सबिता मुरैना आए। उन्होंने 11 सितंबर को बीहड़ के आसपास के गांव के ग्रामीणों से मिले और बीहड़ कटाव पर चर्चा की और गुरूवार को वह दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

जेफ (ग्लोबल एनवायरमेंट फेसिलिटी) यूएनडीपी (यूनियन नेशनल डवलपमेंट प्रोग्राम) भारत सरकार को विभिन्न प्रोजेक्ट के लिए पैसा मुहैया कराएंगी। स्माल ग्रांड प्रोग्राम इंडिया के तहत यूएनडीपी से चार कंसलटेंट ने बीहड कटाव पर किए गए कार्यो को देखा सुजागृती संस्था मुरैना द्वारा किए गए कार्यों को देखा। उनके द्वारा औषधि पौधों का भी अवलोकन किया गया एवं औषधि पौधों से किस तरीके से ग्रामीणों को आजीविका प्रदान की, इसका भी अध्ययन किया उनके द्वारा यह चिंता जताई गई कि धीरे धीरे औषधि पौधे लुप्त होने की कगार पर पहुंच गए हैं।

बृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं कृषि संगोष्ठी कार्यक्रम में दिनांक 17.09.2019 को कृषि विज्ञान केंन्द्र मुरैना में 3000 किसानों को आंमत्रित किया गया। माननीय कृषि मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर साहब मुख्य अतिथि के रूप में पधारे कार्यक्रम में किसानों को संबोधित करते हुए एवं डाबर कंपनी दिल्ली के डॉक्टरों के साथ वृक्षारोपण कार्य किया। सुजाग्रति समाव सेवी

संस्था द्वारा डाबर कंपनी के सहयोग से इस कार्यक्रम में किसानों को एक–एक गुग्गुल का पौधा भेट करने के लिए 5000 गुग्गुल के पौधे भी दिए गये। यह कार्यक्रम गुग्गुल के संरक्षण एवं संबर्धन के लिए बड़ा हितकारी लाभदायक होगा व किसानों के लिए भी यह वरदान होगा क्योंकि इस पौधे से किसानों की आय वृद्वि होगी साथ ही साथ पर्यावरण लाभ होगा।

चंबल में आई भीषण बाढ़ से कई गांव प्रभावित।

चंबल में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित गांव नदुआपुरा में आज राहत सामाग्री वितरित करते हुए एवं ग्राम वासियों से चर्चा करते हुए बाढ़ का जायजा लेते हुए। यहॉ फसलें पूरी तरह चौपट हो गयी हैं नदुआपुरा के सारे घर पानी में डूबने के कारण उनमें गोंटू– गोंटू मिट्टी और कीचड़ जमा हुआ है इस समय बेचारे वह कैंपों में निवास कर रहे हैं इसलिए उन दुखी और लाचार लोगों की मदद करने के लिए सुजाग्रति संस्था मुरैना द्वारा यह पहल की गई।

बिन बरसे आई बाढ़ से बर्बादी

नदुआपुरा के चारों ओर दलदल इसलिए 250 लोग 15 दि
नहीं लौट पाएंगे अपने घर, खुले आसमान के नीचे गुजार

हर तरफ पानी, दलदल भी ऐसा कि आदमी आधा तो मिट्टी में ही समा जाए

नवंबर में तीन बेटियों की शादी है, हम बर्बाद हो गए, अब कैसे करेंगे ब्याह

कलेक्टर बाइक पर बैठकर नदुआपुरा पहुंची, बंट

अध्यक्ष
सुजाग्रति समाज सेवी
संस्था मुरैना म0 प्र0